an>

Title: Issue regarding China's threat to India.

श्री मुलायम सिंह यादव(आज़मगढ़) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण विषय पर अपनी बात सदन में रखने का मौका दिया है। मैं चीन के विषय में बोलना चाहता हूं। आज हिंदुस्तान को चीन से बहुत ज्यादा खतरा है। जब से मैं लोक सभा में आया हूं, मैंने हर समय सरकार को सावधान किया है कि चीन हिंदुस्तान के खिलाफ Âषडयंत्र कर रहा है और पाकिस्तान को भी अपने कब्जे में ले रहा है। आज चीन ने पाकिस्तान को भी अपने साथ ले लिया है। मुझे खबर मिली है और यह कितनी सच है, इसकी जानकारी सरकार को होगी, प्रधान मंत्री जी को हो सकती है, गृह मंत्री जी को हो सकती है कि चीन ने पाकिस्तान की जमीन में एटम बम गाड़ दिया है। चीन ने तैयारी कर ली है और आप देख लीजिए हमने कई बार सरकार को सावधान किया है। कभी कोई संसद का सत्र ऐसा नहीं गया, जिसमें हमने चीन के बारे में सरकार को न कहा हो। चीन ने हिंदुस्तान पर हमले की पूरी तैयारी कर ली है। निकट के जो छोटे-छोटे सूबे हैं उन पर और नेपाल पर भी चीन की दृष्टि लगी हुई है।

महोदया, सबसे पहले भूल यह हुई कि हमारे विरोध के बावजूद भी उस समय के प्रधान मंत्री, उनका नाम लेना इस समय उचित नहीं होगा, मैं उनसे मिला कि तिब्बत को मत दीजिए। तिब्बत हमारा पहरेदार है। अगर चीन हमला करेगा, तो पहले तिब्बत से हो कर आएगा। दलाई लामा हिंदुस्तान में कितने साल रहे। दलाई लामा वहां के धार्मिक लीडर हैं। पूरा हिंदुस्तान उनके साथ है, लेकिन दलाई लामा को हम संरक्षण नहीं दे पाए। दलाई लामा आज भी तिब्बत के मामले में हिंदुस्तान के साथ हैं, लेकिन आपने तिब्बत को दे दिया। हमारी सरकार ने, उस समय के प्रधान मंत्री, जो सदन में उपस्थित नहीं हैं और अस्वस्थ भी हैं, उन्होंने चीन को तिब्बत दे दिया। हमने और सोमनाथ चटर्जी जी ने मिलकर कहा कि यह गलत है। अगर हमने तिब्बत दे दिया, तो चीन को हिंदुस्तान में घुसने का सीधा रास्ता मिल जाएगा।

अब हिन्दुस्तान को चीन कभी भी माफ नहीं कर सकता। मैंने कई बार कहा है कि यदि हिन्दुस्तान का कोई सबसे बड़ा विरोधी या दुश्मन है, तो वह चीन है। आज वह आपके सामने आ गया है। इस संबंध में सरकार ने क्या किया है, इस पर बहस होनी चाहिए। अन्य नेताओं के विचार भी आने चाहिए। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि पहली भूल तो कर ही दी, तिब्बत दे दिया। चीन को तिब्बत देने से ऐसी भूल की गयी है, आज भारत को चीन की हरकतों को देखते हुए फिर से तिब्बत की आज़ादी का खुलकर समर्थन करना चाहिए। हमको समर्थन करना चाहिए। उसने तिब्बत पर कब्जा कर लिया और अन्य जगहों पर कर रहा है। दलाई लामा परेशान है। वह यहाँ रहा। चीन और पाकिस्तान दोनों मिलकर कश्मीर में षडयंत्र कर रहे हैं। आज कह रहे हैं कि साफ हो गया है कि कश्मीर में पाकिस्तान के साथ चीनी सेना और चीनी हथियार भी लड़ाई के लिए उतर गये हैं। कल चीन के एक अखबार और चैनल ने यह दावा किया है कि तिब्बत की सीमा पर उसका घोÂिषत युद्धाभ्यास चल रहा है। चीन ने इसे स्वीकार किया है। उसने कहा है कि हाँ, हम अभ्यास कर रहे हैं। इसका कड़ा विरोध होना चाहिए क्योंकि भूटान और सिक्किम की रक्षा करना भारत की जिम्मेदारी है। सुन लीजिए, मैं आप से कहना चाहता हूँ। आज जो हो0 रहा है, उसे देखना हिन्दुस्तान की जिम्मेदारी है। सिक्किम और भूटान की रक्षा करना आपकी जिम्मेदारी है, सरकार की जिम्मेदारी है। चीन भूटान और सिक्किम पर कब्जा कर रहा है। इधर पाकिस्तान को उसने अपने हाथ में ले लिया है और पाकिस्तान कश्मीर को लेकर विवाद कर रहा है। पूरी तैयारी हो चुकी है, इस संबंध में अभी तक क्या हुआ, हमें अभी तक उसका जवाब नहीं मिला है।

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, अब अपनी बात कम्प्लीट कीजिए।

श्री मुलायम सिंह यादव: पहले अध्यक्ष जी ने जरूर बुला लिया था, उन्होंने इसकी गंभीरता को सुना था और स्वीकार किया था, लेकिन यह सरकार सुन ही नहीं रही है। आप सदन की कार्यवाही देख लें। मैं कितनी बार बोल चुका हूँ कि चीन हमारा दुश्मन है, पाकिस्तान नहीं है। पाकिस्तान हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। ...(व्यवधान) यदि वह हमारा एक शहर गिरा देगा, तो पाकिस्तान कुछ नहीं कर सकता है हमारे हिन्दुस्तान का। कमजोर पर गुस्सा आ रहा है, पाकिस्तान नहीं जीत सकता है हिन्दुस्तान से। पाकिस्तान को निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान को किसी तरह अपने पक्ष में लेने की कोशिश करना चाहिए था।

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, अब आपकी बात पूरी हो गयी।

किरीट सोमैया जी, आपको इसी इश्यु पर बोलना है? इस पर डिस्कशन नहीं होना है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव: मैं पूछना चाहता हूँ कि देश के लिए इससे ज्यादा महत्वपूर्ण क्या हो सकता है। पूरे हिन्दुस्तान की जनता जानना चाहती है कि सरकार क्या कर रही है। भारत ने दलाई लामा को तिब्बत की सरकार का मुखिया माना है। उनको राष्ट्र प्रमुख का दर्जा दिया है। यह बात चीन को बहुत ही नागवार गुजरती है। भारत को दलाई लामा की अधिक से अधिक मदद करनी चाहिए। यह आपके हित में है।

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, थैंक यू।

श्री मुलायम सिंह यादव: रास्ता वही है चीन का। चीन और भारत के बीच एक बड़ा व्यापारिक संबंध है।

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, अब आप अपनी बात कम्प्लीट करें।

श्री मुलायम सिंह यादव: इस देश में खिलौना से लेकर पूरा सामान चीन का बिक रहा है। आप सही बात सुन लीजिए।

माननीय अध्यक्ष : हाँ है, मैं मना नहीं कर रही हूँ, लेकिन आपकी बात पूरी हो गयी, आपने मुद्दा उठा दिया।

श्री मुलायम सिंह यादव: यहाँ चीन निर्मित सारे सामान बेचे जा रहे हैं। खिलौना से लेकर हर सामान बिक रहा है, जो दिखने में बढ़िया और सस्ती हैं। लेकिन वे घटिया सामान हैं, जो बहुत जल्दी खराब हो जाते हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ठीक है हो गया।

किरीट जी, आप क्या कहना चाहते हैं, इस पर चर्चा नहीं करना है।

डॉ. किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) : माननीय अध्यक्ष महोदया, चीन डोक-लाम में जो कर रहा है, उसकी ओर मैं ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ और इस पर संसद सरकार के साथ चिन्ता व्यक्त कर रही है। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Hon. Member Shri Bhairon Prasad Mishra is permitted to associate with the matter raised by Dr. Kirit Somaiya.

श्री मुलायम सिंह यादव: अध्यक्ष महोदया, मेरी थोड़ी-सी बात रह गयी है।

माननीय अध्यक्ष : ठीक है।

श्री मुलायम सिंह यादव: इसलिए हम आपसे कहना चाहते हैं। चीन ने वहाँ पर युद्ध के बारे में साफ कह दिया है। संबंधों में कूटनीति होती है। आपको भी कहना चाहिए। आपको भूटान और सिक्किम की तो मदद करनी चाहिए। उधर भूटान और सिक्किम गया, इधर यह गया। चीन ने पूरी तैयारी कर ली है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूँ कि आपने इस संबंध में क्या तैयारी की है? मैं बहुत बार सदन

में बोल चुका हूँ, आप कार्यवाही निकालकर देखिए। आप कहते हैं कि मुझे पता है। आपने स्वीकार भी किया है। हम कितनी बार बोलें? उस पर कोई शक नहीं गया। जैसा कि मैंने कहा कि चीन से जितना खतरा हिन्दुस्तान को है, उतना किसी से नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, मुलायम सिंह जी अब बात पूरी हो गयी।

श्री मुलायम सिंह यादव: इसलिए सरकार ने उसके बारे में क्या सोचा है, क्या विचार किया है। अभी तक उस पर राय ली नहीं है, कब राय लेंगे। राय नहीं ली, तो और किसी से पूछिए। मैंने राय दी थी कि तीनों सेनाओं के चीफ को बुलाइए और उनसे बात कीजिए। क्या आपने उनको बुलाकर बात की? ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री रवीन्द्र कुमार जेना को श्री मुलायम सिंह यादव द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।